an>

Title: Need to set up a hospital-cum-medical college in Jalore, Rajasthan.

श्री देवजी एम. पटेल **(जालौर):** महोदय, मेरे संसदीय क्षेत्र जालौर (राजस्थान) की आबादी वर्ष 2001 की जनगणना के अनुसार लगभग 24,85,286 है तथा क्षेत्र में 2001-2011 के दशक में जनसंख्या में कुल वृद्धि दर 26.31 प्रतिशत रही है। जिले में शहरी आबादी कम है जबकि ग्रामीण आबादी 92.41 प्रतिशत है। ग्रामीण आबादी अधिक होने से स्पष्ट है कि अधिकतर लोग अभी भी कृषि या उसकी सहायक गतिविधियों से ही अपना जीवन-यापन करते हैं तथा ग्रामीण अंचल के लोग बीमार होने पर निजी अस्पतालों में महंगा इलाज़ करवाने को मज़बूर होते हैं। क्षेत्र से प्रतिदिन सैंकड़ों मरीज़ गाड़ियों से जांच एवं इलाज़ हेतु गुजरात जाते हैं जिससे लोगों का आर्थिक नुकसान एवं समय बर्बाद होता है। गरीब एवं पिछड़े क्षेत्र के लोग गुजरात के निजी अस्पतालों में महंगा इलाज़ लेकर आर्थिक रूप से कमज़ोर हो जाते हैं। दूसरी तरफ मातृत्व एवं शिशु मृत्यु दर को कम करने के लिए प्रसव पूर्व जांच की महत्वपूर्ण भूमिका रहती है। लेकिन, ग्रामीण क्षेत्रों में जागरूकता कम होने तथा स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध न होने की स्थिति में प्रथम तीन माह में पंजीकरण कराने वाली महिलाओं का प्रतिशत बहुत ही कम है। आज भी घरेलू प्रसव का प्रतिशत 18.8 से 31.4 है जिससे जन्म के समय कम वज़न वाले शिशुओं की मृत्यु दर एवं मातृत्व मृत्यु दर बढ़ जाती है।

अतः सदन के माध्यम से मेरा केन्द्र सरकार से आग्रह है कि अंतिम व्यक्ति तक गुणात्मक स्वास्थ्य सेवा पहुंचाने के लिए जालौर जिला केन्द्र पर 1,000 बिस्तरों का अस्पताल-सह-मेडिकल कॉलेज का होना अत्यन्त आवश्यक है।